राष्ट्रीय रेशम उत्पादन परियोजना

2455. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय रेशम उत्पादन परियोजना के अंतर्गत मौजूदा समय में किन-किन स्थानों पर किन-किन योजनाओं का कार्यान्वयन हो रहा है;

(ख) विगत तीन वर्षों में इन पर कितनी राशि व्यय की गई और इनसे कितना लाभ प्राप्त हुआ है ; और

(ग) निजी क्षेत्रों में शहतूत पौधा रोपण हेतु सरकार की योजनाओं का ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) राष्ट्रीय रेशम उत्पादन परियोजना (एन०एस०पी०) के अंतर्गत निम्नलिखित योजनाएं/संघटक, पांच परम्परागत रेशम उत्पादन राज्यों (कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल तथा जम्मू और कश्मीर) तथा 12 गैर-परम्परागत राज्यों (बिहार, असम केरल, राजस्थान, उड़ीसा, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश) क्रियान्वित किए जा रहे हैं :—

1. अनुसंधान तथा विकास
2. अनाज भंडार
3. शहतूती रोपण
4. कोसा बाजार
5. रेशम विनिमय
6. तकनीकी सहायता
7. संयुक्त उद्यम सहभागिता
8. एन जी ओ/महिला समूह को सहायता
9. डीलरों की कार्यशील पूंजी सहायता
10. सामाजिक/आर्थिक सर्वेक्षण
11. मूल बीज फार्म
12. चाकी कीटपालन केंद्र
13. तकनीकी सेवा केंद्र
14. ड्राइंग चैम्बर्स
15. रेशम परीक्षण सदन
16. प्रशिक्षण केंद्र
17. चूल्हे
18. लाभभोगियों का मूल्यांकन
19. ऋण

(ख) वर्ष 1989-90 से 1992-93 (नवम्बर, 1992 तक) की अवधि के दौरान सभी राज्यों (राष्ट्रीय रेशम उत्पादन परियोजना के क्रियान्वयन पर 128.53 करोड रु. का कुल व्यय हुआ है । इस परियोजना के अंतर्गत अनुसंधान विस्तार तथा इन्फ्रास्टकचर संबंधी सहायता देने के अतिरिक्त नवम्बर, 1992 तक शहतूत की कृषि के अंतर्गत 1,58,230 एकड़ क्षेत्र को शामिल किया गया है जिससे 2,25,974 व्यक्ति लाभ प्राप्त करेंगे । नवम्बर, 1992 तक इस योजना के अंतर्गत 77.48 करोड रु० का कुल ऋण प्राप्त किया गया है ।

(ग) केंद्रीय रेशम बोर्ड इस समय शहतूत का रोपण करने के लिए निम्नलिखित दो योजनाएं क्रियान्वित कर रहा है :—

1. इम्दादी दरों (50:50 आधार पर) राज्य सरकारों को शहतूत की लमों की सप्लाई ।

2. किसान नर्सरी कार्यक्रम के अंतर्गत (50:50 आधार पर) इम्दादी पर पर किसानों को शहतूत की पौध की सप्लाई ।